भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4554
बुधवार, 20 अगस्त, 2025 उत्तर देने के लिए

कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट

4554. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट पर बुनियादी ढांचे के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है, इसके पूर्ण रूप से चालू होने की समय-सीमा क्या है और अब तक परियोजना के लिए कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई है;

(ख) पेलोड क्षमता के संदर्भ में कुलशेखरपट्टिनम प्रक्षेपण स्थल के विशिष्ट लाभ क्या हैं और सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र एसएचएआर (एसडीएससी-एसएचएआर) में मौजूदा प्रक्षेपण सुविधा के साथ इसकी तुलना क्या है; और

(ग) कुलशेखरपट्टिनम से नियोजित आगामी प्रक्षेपण मिशनों का ब्यौरा क्या है, जिसमें इस अंतरिक्ष बंदरगाह से तैनात किए जाने वाले रॉकेट और पेलोड के प्रकार भी शामिल हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानं मत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट के पूर्ण रूप से चालू होने की समय-सीमा सहित बुनियादी ढांचे के विकास की वर्तमान स्थिति और अब तक इस परियोजना के लिए आवंटित तथा उपयोग की गई धनराशि की स्थिति इस प्रकार हैः

- पूर्वी-तटवर्ती सड़क का मार्ग पुनः निर्धारित की जानेवाली भूमि के अलावा भूमि अधिग्रहण का कार्य संपन्न किया गया।
- स्थल विकास संबंधी कार्य संपन्न किए गए और तकनीकी सुविधाओं के लिए निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

..2/-

- विभिन्न कार्यशील केंद्रों में विविध उपकरण तथा संरचनाओं का संविरचन प्रगति में है।
- कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट को वित्तीय वर्ष 2026-27 में चालू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट के लिए ₹985.96 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई।
- इस परियोजना के लिए अब तक उपयोग की गई धनराशि ₹389.58 करोड़ है। (31 जुलाई'25 तक)

(ख) पेलोड क्षमता के संदर्भ में कुलशेखरपट्टिनम प्रक्षेपण स्थल के विशिष्ट लाभ और सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र एसएचएआर (एसडीएससी-एसएचएआर) में स्थित मौजूदा प्रक्षेपण सुविधा की तुलनात्मक स्थिति निम्न प्रकार हैः

- कुलशेखरपट्टिनम प्रक्षेपण स्थल उपग्रहों को ध्रुवीय कक्षाओं में प्रक्षेपित करते समय इसरो के लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) वर्ग के उपग्रह प्रक्षेपण यानों की पेलोड क्षमता बढ़ाएगा।
- एसडीएससी एसएचएआर, श्रीहरिकोटा से कार्यात्मक रूप से असाधारण सूर्य-तुल्यकाली ध्रुवीय कक्षाओं (एसएसपीओ) में प्रक्षेपण के मामले में पृथ्वी को राकेट के प्रयुक्त चरणों के प्रभाव से बचाने के लिए राकेट के सुनियोजित प्रचालन की आवश्यकता होती है तथा ऐसा करने से पेलोड क्षमता उल्लेखनीय रूप से कम हो जाएगी।
- कुलशेखरपट्टिनम से प्रक्षेपण करते समय एसएसएलवी से एसएसपीओ तक पेलोड क्षमता लगभग 300 कि.ग्रा. है जबकि एसडीएससी एसएचएआर से प्रक्षेपण करते समय किसी उपयोगी पेलोड के लिए यह क्षमता अपर्याप्त है।

(ग) इसके चालू हो जाने के बाद एसएसएलवी की और गैर-सरकारी कंपनियों (एनजीई) के समतुल्य प्रक्षेपण यानों को कुलशेखरपट्टिनम स्पेसपोर्ट से प्रक्षेपित किए जाने की योजना है।

****